समीक्षा

२०११–२०१२

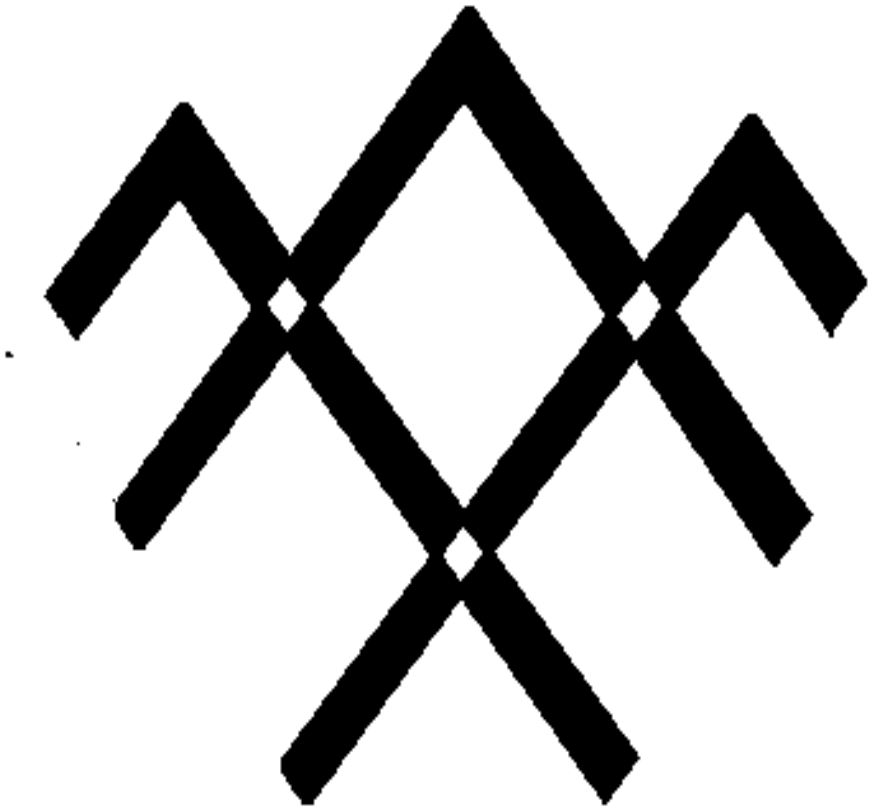

कुमाऊँ कारीगर समिति

ग्राम – कालिका ,पोस्ट आफिस –कालिका , रानीखेत, जिला अल्मोड़ा, पिन –263 645
उत्तराखण्ड ,फोन न. : 05966 – 221516

परिचय

कुमाऊँ कारीगर समिति ग्रामीण नवयुवकों का एक संगठन है। इसका पंजीकरण 6 अक्टूबर 2001 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 A के अर्न्तगत किया गया हैं।

सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में वैकल्पिक तकनीकि का महत्वर्पूण स्थान हैं। परन्तु प्रषिक्षित एंव कुषल कारीगरों की अव्यवस्था से उचित क्रियान्वयन न होने के कारण इसका लाभ ग्रामीण समुदायों तक नही पहुॅच पाता हैं। इस सोच को मद्देनजर रखते हुये कुषल कारीगरों की एक समिति का गठन करने का प्रयास **पान हिमालयन ग्रासरूटस डेवलपमेंट फाउन्डेषन** द्वारा किया गया और **कुमाँऊ कारीगर समिति** का गठन हुआ।

वर्तमान में कुमाऊँ कारीगर समिति एक स्वावलम्बी स्वैच्छिक समिति के रूप में ग्रामीण समुदाय के साथ मिलकर ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वयन कर रही हैं। समिति का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य है ।

समिति का मुख्य कार्यालय ग्राम /पोस्ट – कालिका, जिला – अल्मोड़ा में स्थित हैं। तथा अपने कार्यक्रमों के उचित संचालन एवं समन्वयन हेतु तीन अन्य क्षेत्रीय कार्यालय पागसा,सुनोली एवं डौयड़ाखाल जिला अल्मोडा, में स्थापित किये है। इन क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा समुदाय के साथ समन्वय से उपयुक्त तकनीकि का प्रचार-प्रसार विभिन्न कार्यक्रमों में आवष्यकतानुसार संचालन किया जा रहा है।

लक्ष्य

समुदाय की आवष्यकताओं एवं सहभागिता के आधार पर उपयुक्त तकनीकि के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग एवं प्रबन्धन कर उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना।

उद्देष्य

समुदाय आधारित संगठनों, पंचायतों एवं स्वयं सहायता समूहों को प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन हेतु क्षमता विकास कर, उनकी कार्ययोजना के आधार पर कार्यक्रमों को संचालित करने हेतु प्रेरित करना।

- पारम्परिक जल स्रोतो का संरक्षण करने हेतु ग्रामीण समुदायों को प्रेरित करना।
- पेयजल की समस्या के समाधान के लिए उपयुक्त तकनीकी के कार्यक्रम को अपनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों के जल स्रोतो को स्वच्छ रखने हेतु जल गुणवत्ता की जॉच कर स्वच्छ जल पीने हेतु ग्रामीण समुदायों को जागरुक करना।
- जल स्रोतों को दूषित होने से बचाने के लिए पर्यावरणीय स्वच्छता के अन्तर्गत शौचालय निर्माण करने हेतु समुदाय को प्रेरित करना।
- बायोगैस निर्माण के प्रचार से ग्रामीण समुदाय को वैकल्पिक उर्जा का साधन उपलब्ध कर जंगलों पर बढ़ते दबाव को कम करना, एंव जलवायु परिर्वतन/ग्लोबल वौर्मीग में मिथेन गैस के प्रभाव को कम करना।
- जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए बरसाती पानी संग्रहण टैंक की तकनीकि से समुदाय को प्रेरित करना।
- जंगलों के अनुचित दोहन एवं प्रबन्धन से पर्यावरण एवं जीवन स्तर पर पड़ रहें दुष्प्रभावों के प्रति लोगो को जागरूक करके गधेरा बचाओं अभियान का संचालन कर जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रमों को क्रियान्वयन करना ।
- उत्तराखण्ड के पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरी/दस्तकारी के माध्यम से स्थानीय नवयुवकों के कौषल में वृद्धि कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना।
- उपयुक्त तकनीकी के प्रचार प्रसार से सरकारी नीतियों में बदलाव लाने हेतु प्रयास करना।

सामुदायिक संगठन

ग्रासरुटस संस्था द्वारा **दुसाद, कनाड़ी, खीरो, पनाई ,मालेगाड़ एंव रिसकन** गधेरों में **गधेरा बचाओं अभियान** का विस्तृत रूप से संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के क्रियान्वयन करने का दायित्व समुदाय द्वारा त्रिस्तरीय ढ़ाचे (स्वंय सहायता समूह, गधेरा बचाओ समिति, गधेरा बचाओ मंच,वन पंचायत,ग्राम पंचायत) के आधार पर किया जा रहा है। गधेरा बचाओ अभियान को सार्थक, व्यापक एंव निरन्तरता बनाये रखने के लिए, सूखते जल स्रोतों,नौलों,धारों ,गधेरो एंव नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए इस वर्ष भी **विष्व जल दिवस** का आयोजन मालेगाड में किया गया, जिसमे उपरोक्त गधेरो से लगभग 500 लोगो ने पदयात्रा में प्रतिभाग किया। इन्ही कार्यरत ग्रामस्तरीय संगठनो की सहभागिता एवं ग्रासरुटस संस्था के साथ मिलकर गगास जलागम में वैकल्पिक तकनीकी के कार्यक्रमों के रख रखाव ,जल संवर्धन एवं संरक्षण कुमाऊँ कारीगर समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा सुनिश्चित करायी जा रही है।

पेयजल

पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के दोहन एवं अनुचित प्रबन्धन से पारम्परिक जल स्रोत, नौलों एंव धारों के सूख जाने से ग्रामीण समुदायों की पेयजल की समस्या दिन प्रतिदिन विकट होती जा रही हैं। इस समस्या को कम करने के लिए कुमाऊँ कारीगर समिति द्वारा रिसावदार कुएँ/हैन्डपम्प का निर्माण एक विकल्प के रूप में किया जा रहा है। विगत वर्षो की भॉती वित्तीय वर्ष में कुमाऊँ एवं गढ़वाल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 09 रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्पों का निर्माण उत्तराखण्ड जल संस्थान के सहयोग से किया गया। इसके साथ ही ग्रासरूटस के वित्तीय सहयोग से गगास जलागम में भी 25 रिसावदार कुओं का निर्माण किया गया है। समीक्षा वर्ष के दौरान कुल 32 रिसावदार कुओं का निर्माण किया गया। इन रिसावदार कुओं के निर्माण से 640 परिवारों की लगभग **3520** जनसंख्या को 172800 ली0 प्रतिदिन पीने के लिए स्वच्छ जल प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के द्वारा ग्रामीण महिलाओं का पानी लाने पर लगने वाले समय की बचत के साथ–साथ स्वच्छ पानी की उपलब्धता में भी वृद्धि हुई हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

गढ़वाल मण्डल						
क्रम सं0	जिले	डिवीजन	विकास खण्ड	सर्वेक्षणग्राम की संख्या	संभावित ग्राम	कार्य पूर्ण ग्राम
1	चमोली	चमोली	03	14	07	04
कुल			**03**	**14**	**07**	**04**
कुमाऊँ मण्डल						
1	नैनीताल	नैनीताल	02	02	02	02
2	बागेश्वर	बागेश्वर	02	02	02	02
3	चम्पावत	चम्पावत	02	05	05	01
		कुल	**6**	**44**	**27**	**05**
गगास जलागम एवं अन्य क्षेत्र		**अल्मोड़ा**	**01**	**25**	**21**	**21**
सहयोगी संस्था		**नैनीताल**	**01**	**02**	**02**	**02**
महायोग			**11**	**85**	**57**	**32**

भविष्य में हैन्डपम्पों के रख–रखाव हेतु प्रषिक्षण, पर्यावरण स्वच्छता एंव स्वास्थ सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम भी चलाये गये तथा इनका जल स्तर बनाये रखने के लिए जल संवर्धन एंव सरंक्षण के कार्यो की भी लाभार्थीयों को जानकारी दी गई।

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम

विगत वर्षो की भांति समीक्षा वर्ष के दौरान भी जल गुणवत्ता जाँच का कार्य ग्रासरुटस के सहयोग से जारी रहा। चूँकि संस्था मुख्य रूप से पेयजल एवं स्वच्छता का कार्य कर रही हैं एतएंव अपने कार्यक्षेत्र के जल स्रोतो एवं रिसावदार कूओं का प्रतिवर्ष दो बार जल गुणवत्ता जाँच कार्य किया गया हैं। इस वित्तीय वर्ष में 75 गांवों के 722 नमूनों के जल गुणवत्ता की जाँच की गयी, जिसमें लगभग 48 प्रतिषत जल स्रोत पीने योग्य नही पाये गये, इनका समय–समय पर सम्बन्धित समुदाय को इसके परिणाम के बारे में अवगत एवं जागरुक कराया गया।

बरासाती जल संग्रहण टैंक

कुमाँऊ कारीगर समिति द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में पानी की समस्या को मुख्य प्राथमिकता दी है। इन क्षेत्रों में पानी की विकट समस्या को ध्यान में रखते हुए बरसाती जल संग्रहण टैंक के विकल्प का प्रचार–प्रसार किया गया, ताकि समुदाय धीरे–धीरे इस तकनीकि का अपना सके। टैंको की जल धारण क्षमता 8 से 10 हजार लीटर तक रखी गयी है। इस वित्तीय वर्ष में 80 बरसाती जल संग्रहण टैंको का निर्माण कराया गया।

पर्यावरणीय स्वच्छता

पेयजल की गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय स्वच्छता को बनाये रखने के लिए ग्रामीण समुदायों को षौचालय निर्माण हेतु प्रेरित किया जा रहा हैं। इसी क्रम में कुमाँऊ कारीगर समिति के कुषल कारीगरों द्वारा ग्रासरुटस से गठबन्धन कर गॉवों में प्रषिक्षण कार्यक्रम चला कर समुदाय को दो गढ्ढों के सोख्ता पिट वाले जलबन्द षौचालयों का निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। प्रति शौचालय की कुल लागत का 75 प्रतिषत लाभार्थी का अंषदान रहता हैं। इस समीक्षा वर्ष के दौरान समिति के द्वारा 479 शौचालयों का निर्माण किया गया।

ग्रासरुटस संस्था के सहयोग से गगास जलागम के अर्तगत निर्मल गधेरा बनाने का प्रयास जारी है, जिसमें 6 पंचायतो को निर्मल ग्राम हेतु जिला प्रवंधन इकाई (स्वजल) अल्मोड़ा भेजा गया है, एवं कई पंचायतो के माध्यम से निर्मल ग्राम घोषित करने का भी प्रयास निरन्तर जारी है।

वैकल्पिक ऊर्जा

ग्रामीण समुदायों के लिए ईधन हेतु लकडी एंव अन्य संसाधन की उपलब्धता एक समस्या का रूप धारण कर चुकी हैं। जंगलों के संकुचन के कारण महिलाओं और बच्चों को लकड़ी लाने के लिए काफी दूर तक जाना पड़ता हैं, जिससे उनका कार्यभार सोचनीय स्तर पर पहुॅच गया हैं ।

दूसरी ओर ईधन हेतु अन्य विकल्पों के कमी से जंगलो पर दबाव भी बढ़ता जा रहा हैं और इस समस्या को मद्देनजर रखते हुए कुमाँऊ कारीगर समिति ने बायोगैस को एक वैकल्पिक उर्जा के रूप में उपयोगी पाया हैं। इस विकल्प से महिलाओं के कार्य बोझ में कमी के साथ-साथ धुएं से होने वाली बिमारियों में भी अंकुष लगा है।

समीक्षा वर्ष में ईधन की समस्या के समाधान हेतु 111 बायोगैस संयंत्रो का निर्माण कुमाऊँ कारीगर समिति के कुषल कारीगरों द्वारा किया गया। प्रति बायोगैस की कुल औसत लागत रू. 23,000 है, जिसमे से लाभार्थी परिवार का अंषदान 55 प्रतिषत है तथा लागत का 45 प्रतिषत उत्तराखण्ड सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। बायोगैस संयत्र के रख–रखाव हेतु कुमाँऊ कारीगर समिति एंव सहयोगी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र में समय-समय पर कार्यषाला आयोजित की गई है।

पर्यावरण की द्वष्टि से पूरे विष्व में आज जो ग्लोबल वार्मिग (जलवायु परिर्वतन) की चिन्ता हर मंच में उठाई जा रही है, इस परिर्वतन में मिथेन गैस सबसे अधिक मात्रा में होना एक खतरा बनते जा रहा है। बायोगैस में इसी गैस को ईधन के रूप मे प्रयोग किया जाता है। यदि इस कार्यक्रम को बढ़वा मिलता है तो यह छोटा सा कदम इस ग्लोबल वार्मिग के एक कारक को कम

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। इस समस्या को मद्देनजर रखते हुये कुमाऊँ कारीगर समिति भविष्य में भी इस कार्यक्रम को बृहद रूप में फैलाने का प्रयास करती रहेगी।

कुमाऊँ कारीगर समिति द्वारा किये गये बायोगैस के कार्य को देखते हुए स्वयं सेवी संस्था उत्थान द्वारा अपने कार्य क्षेत्र जिला देवरिया, उत्तर प्रदेष में दो बायोगैस संयत्रो का नमूने के तौर पर निर्माण करने हेतु समिति को आग्रह किया गया, जिसमें कुमाऊँ कारीगर समिति के दो कारीगर श्री चन्दन राम एवं श्री जगदीष चन्द्र द्वारा वहॉ जाकर दो बायोगैस संयत्रो का निर्माण कर सफलता पूर्वक क्रियाषील किया गया।

वैकल्पिक ऊर्जा बायोगैस को और अधिक मात्रा में गाँवों में बनाने के लिए डब्लू0डब्लू0एफ0 एवं ग्रासरुटस के सहयोग से जिम नेषनल कार्बेट पार्क एवं दुधवा नेषनल पार्क से लगे गाँवों में आये दिन ईधन की समस्या, जंगली जानबरों के बढते खतरे से समुदाय की समस्या को देखते हुए गाँव वालो के साथ बैठक का आयोजन कर एक सर्वे किया गया। जिसमें पाया गया कि इन गाँवों में वैकल्पिक ऊजा के रुप में गोबर गैस को बढाया जाय। सर्वे का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र0स0	क्षेत्र	जिले	ब्लाक	ग्राँम पंचायत	राजस्व ग्राम	परिवार
1	जिम नेषनल कार्बेट पार्क	03	05	26	78	170
2	दुधवा नेषनल पार्क	02	04	25	44	218
कुल		**05**	**09**	**51**	**122**	**388**

अपने वरिष्ठ कारीगरों को सहयोगी संस्थाओं में भेजकर लाभार्थीयों का यूजर कार्यषाला आयोजित की गई, जिसमे लगभग 462 घरों में जाकर गोबर गैस के रख–रखाव के सर्वेक्षण का कार्य किया गया। सर्वेक्षण में लगभग 95 प्रतिषत संयत्र पूर्णतः क्रियाषील थे।

,वर्ष के दौरान वैकल्पिक तकनीकि से लाभान्वित समुदाय/परिवार

क्रम सं.	जिला	ब्लाक	रिसावदार कुऑ	शौचालय	बरसाती टैंक	बायोगैस
1	अल्मोड़ा	द्वाराहाट ताड़ीखेत भिकियासैन भैंसियाछाना हवालबाग ताकुला	16	327 59 65 27	57 06 06	13 01 10 04 01
2	नैनीताल	धारी भीमताल रामनगर रामगड़ हल्द्वानी	02 07	 01	 03	00 35 01 01
3	बागेश्वर	गरूड़ बागेष्वर	01 01			00
4	पिथौरागढ	गंगोलीहाट				03
5	चम्पावत	लोहाघाट	01			
6	चमोली	पोखरी	3			

		कर्णपंयाग दषोली	1			05
7	देहरादून	विकासनगर सहसपुर				26 09
8	सिरमोर	नाहन राजगड संगड़ाह			05 02 01	
9	देवरिया	रुद्रपुर				01
10	गोरखपुर	कौडीराम				01
	जिले 10	**ब्लाक–25**	**32**	**479**	**80**	**111**

समीक्षा वर्ष के दौरान कुल बनाये गये 111 वायोगैस संयत्रो का निर्माण उरेड़ा (32), के0वी0आइ0सी0 (53), ग्रासरूटस (15) तथा (11) विकास खण्डों के वित्तीय सहयोग से निर्मित किये गये।

संस्थागत एवं वित्तीय प्रबन्धन

समीक्षा वर्ष के दौरान कुमाऊँ कारीगर समिति को वैकल्पिक तकनीकि के प्रचार प्रसार , जल संवर्धन कार्यक्रम एवं संस्थागत क्षमता की वृद्धि का अवसर एवं चुनौती – ग्रासरुटस एंव उत्तराखण्ड़ सरकार के वित्तीय सहयोग से प्राप्त हुआ।

आभार

समिति वित्तीय संस्था उत्तराखण्ड शासन, ग्रासरूटस, महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी, सहयोगी संस्थायें, दुसाद गधेरा बचाओ मंच, गधेरा बचाओ समितियॉ, महिला संगठनों, मित्रों, सभी सदस्यों, आडिटर दीपक घनसानी एण्ड एसोसीऐटस तथा समस्त क्षेत्रीय जनता का आभार प्रकट करती हैं, जिनका अमूल्य सहयोग एवं मार्ग दर्षन हमें निरंतर आगे बढ़ने एवं कार्य करने की प्रेरणा देता हैं।

समिति प्रगति रिपोर्ट संक्षिप्त में

कम.स	कार्यक्रम	2011–12	आज तक
1	पेयजल रिसावदार कुऍ (कुमॉऊ कारीगर समिति) पेयजल रिसावदार कुऍ (उ0ज0स0) कुल निर्मित रिसावदार कुऍ • लाभार्थी परिवार • लाभार्थी जनसंख्या	23 09 32 640 3520	298 136 434 9,435 52,040
2	शौचालय (लाभान्वित परिवार)	479	2541
3	बायोगैस संयंत्र (लाभान्वित परिवार)	111	1303
4	बरसाती जल संग्रहण टैंक • लाभान्वित परिवार	80	378
5	सहयोगी संस्थाऐं	3	15

सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में किये गये व्यय का विवरण 2011–12

अ. उपयुक्त तकनीकि कार्यक्रम

क्रम. सं.	कार्यक्रम	खर्च विवरण (रू. लाख में)
1	पेयजल	6,29,766
2	वैकल्पिक ऊर्जा (बायोगैस)	2,25,656
कुल		**8,55,422**
ब. प्रषासनिक		
1	कार्यालय किराया,टेलीफोन, स्टेशनरी इन्शोरेन्स,ओडिट	11,692
	कुल	**11,692**
कुल योग (अ+ब)		**8,67,114**

प्रबन्ध कारिणी समिति

1.	श्री रमेष चन्द्र दानी	अध्यक्ष	चोपड़ा , नैनीताल
2.	श्री हरीष सिंह विष्ट	सचिव	देवलीखेत ,अल्मोड़ा
3.	श्री आनन्द सिंह	कोषाध्यक्ष	नैनी , अल्मोड़ा
4.	श्री विरेन्द्र कुमार	सदस्य	दमतोला ,अल्मोड़ा
5.	श्री गोपाल राम –1	सदस्य	चोपडा(कूल), नैनीताल
6.	श्री चन्दन आर्या	सदस्य	मोना, अल्मोड़ा
7.	श्रीमती सुनीता कष्यप	सदस्य	कालिका, अल्मोडा

श्रृद्वांजलि

बडे दुख के साथ अवगत कराया जा रहा है कि कुमाऊॅ करीगर समिति के प्रेरणा श्रोत श्री गोपाल राम जी का दिनॉक 01/09/2012 को आकस्मिक निधन हो गया, संस्था उनके बताये मार्गो एवं दिषा में बढने का प्रयास करेगी, इस रिर्पोट के माध्यम से समस्त कुमाऊॅ कारीगर समिति के कार्यकर्ता उन्हे श्रृद्वांजलि अर्पित करते है।

कुमाऊँ कारीगर समिति 2010–2011

आजीवन सदस्य

क्रम. सं	सदस्यों के नाम	गॉव	थ्जला
1	स्व.श्री पूरन राम	चोपड़ा	नैनीताल
2	मोहन राम	चोपड़ा	"
3	किशन चन्द्र	चोपड़ा	"
4	स्व0श्री गोपाल राम – 1	चोपड़ा	"
5	कैलाश सिंह जीना	चोपड़ा	"

6	मोहन चन्द्र जोषी	चोपड़ा	
7	गोपाल राम – 2	सिरसा	"
8	विजय सिंह जीना	सिरसा	"
9	सुरेश लाल	सिरसा	"
10	रमेश चन्द्र दानी	सिरसा	"
11	सोबन सिंह	जाजर	"
12	जगदीश भण्डारी	नैनीताल	
13	महेन्द्र सिंह	मलौना	अल्मोड़ा
14	चन्द्रन राम	मौना	"
15	पान सिंह	दमतोला	"
16	विरेन्द्र कुमार	"	"
17	जगदीश चन्द्र	"	"
18	आनन्द राम	"	"
19	खीमा नन्द	"	"
20	राम सिंह	दुभना	अल्मोडा
21	पवन कुमार	देहरादून	देहरादून
22	राजेन्द्र सिह	देहरादून	देहरादून
23	मुकेष कुमार	मल्ला नौगॉव	अल्मोडा
24	हीरा सिंह	खुडोली	नैनीताल
25	महेन्द्र सिंह खनायत	बोहरागॉव	अल्मोड़
26	कल्याण पौल	कालिका	अल्मोड़
27	सुनीता कष्यप	कालिका	अल्मोड़
28	अनिता पॉल	कालिका	अल्मोड़
29	हरीष सिंह विष्ट	सैनरी(देवलीखेत)	अल्मोड़ा
30	मनोज कुमार	दमतोला	अल्मोड़ा
31	बलवन्त कुमार	दमतोला	अल्मोड़ा
32	प्रेम राम	चौपडा	नैनीताल
33	भुवन चन्द्र	मौना	नैनीताल
34	सुमित कुमार	छरवा	देहरादून
35	राजेष कुमार	छरवा	देहरादून
36	आनन्द कुमार	धनखोली	अल्मोड़ा
37	प्रमोद कुमार	छतोला	नैनीताल
38	गोपाल राम	दुधोली	अल्मोड़ा
39	दिनेष चन्द्र	कूल	नैनीताल